The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

**Press Release**

**10 AUG** 2021

**रांची**

## बॉश के सहयोग से इक्फ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा कौशल उद्यमिता कार्यशाला का उद्घाटन

झारखंड में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री प्रद्युम्न मोहंती, रीजनल हेड-ब्रिज, जर्मन एमएनसी के बॉश इंडिया फाउंडेशन (बॉश) के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में इच्छुक उद्यमियों ने भाग लिया। इनमें विश्वविद्यालय के कुछ पूर्व छात्र भी शामिल हुये।

सहभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के सहायक डीन डॉ. भागबत बारिक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कार्यशाला इच्छुक उद्यमियों को स्किलिंग इकोसिस्टम को समझकर सफल होने में मदद करेगी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "वर्तमान गतिशील दुनिया में, प्रत्येक व्यक्ति के पास ज्ञान के साथ-साथ कौशल भी होना चाहिए ताकि वे पेशेवर रूप से सफल हो सके। दक्षिण कोरिया में 96%, चीन में 45%, संयुक्त राज्य अमेरिका में 55% और जर्मनी में 74% की तुलना में केवल 10% भारतीय व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित हैं। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार, यदि भारत युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद 3% बढ़ सकता है। भारत सरकार और झारखंड सरकार ने कौशल विकास के लिए कई पहल की हैं। इन पहलों को पूरा करने के लिए, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने कौशल विकास में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए बॉश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस पहल के रूप में, हमारे विश्वविद्यालय द्वारा बॉश के सहयोग से एक कौशल उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें इच्छुक युवाओं को झारखंड भर में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। यह केंद्र स्कूल/कॉलेज छोड़ने वाले युवाओं सहित युवाओं को प्रशिक्षण देगा ताकि उन्हें खुदरा क्षेत्र जैसे संगठित और अर्ध-संगठित क्षेत्रों में प्रवेश स्तर की नौकरी मिल सके।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री प्रद्युम्न मोहंती ने कहा, "बॉश ने कौशल विकास के 3 मॉडल विकसित किए है जिसमे दीर्घकालिक, मध्यम अवधि और अल्पकालिक है। हमने अपनी कौशल विकास पहल की पहुंच बढ़ाने के लिए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के साथ करार किया है। इस कार्यक्रम में 2 महीने का कक्षा प्रशिक्षण और उद्योग में एक महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है। अब तक, बॉश ने 33,000 से अधिक स्कूल छोड़ने वालों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें अपने जीवन में सफल होने में मदद की है। कौशल उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण क्षमता का विस्तार करने में मदद मिलेगी, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

कार्यक्रम से लाभान्वित हुए एक युवा स्कूल ड्रॉपआउट की सफलता के केस स्टडी पर एक वीडियो भी दिखाया गया।

डॉ. सुब्रतो कुमार डे, विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर और कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ ने कार्यक्रम के विभिन्न मॉड्यूल के बारे में बताया और कहा की कैसे उन्हें एक व्यवहार्य कौशल व्यवसाय स्थापित करने में मदद करेगा।

विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त मजूमदार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

==========